

## गए शब्द

जी	- मन
नभ	- आकाश
तरु	- पेड़
कुतरकर	- छोटे-छोटे टुकड़े
विचरूँ	- घूमूँ

पर्वत	- पहाड़
घाटी	- दो पहाड़ों के बीच की ज़मीन
जग	- संसार
स्वतंत्र	- आज़ाद
बंधन	- रुकावट, बाधा

## अभ्यास

### श्रृतलेखन

चिड़िया  
विचरूँ

फुदककर  
इठलाऊँ

तरु  
स्वतंत्र

हरियाली  
बंधन

कुतरकर  
पर्वत

Listening and Writing Skills

### कविता की बात

Comprehension Skills

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मौखिक

- (क) कवि का मन क्या बनने को कर रहा है? चिड़िया  
 (ख) चिड़िया बनकर कवि कहाँ घूमना चाहते हैं? जंगल - घाटी,  
 (ग) इस कविता के कवि कौन हैं? रोदन लाल द्विवेदी

लिखित

(क) चिड़िया कैसे चलती है?

चिड़िया फुटक - फुटक कर चलती है

(ख) कवि चिड़िया बनकर कहाँ की सैर करना चाहते हैं?

कवि चिड़िया बनकर जंगल की पर्वत की घाटी के

(ग) कवि चिड़िया का जीवन क्यों पाना चाहते हैं? सैर करता है

जीवि चिड़िया वा जीवन रखने आसमान में उड़ के लिए पना पाएता है

2. सही उत्तर पर (✓) लगाइए।

(क) कवि कहाँ उड़ना चाहते हैं?

नभ में

हवा में

बादलों में

(ख) कवि चिड़िया की तरह कुतरकर क्या खाना चाहते हैं?

सब्ज़ी

फल

मिठाई

(ग) कवि किसे देखकर इठलाना चाहते हैं?

स्वयं को

प्रकृति को

जग को

10/21

3. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए।

जंगल-जंगल \_\_\_\_\_,

H.W.

की सैर करूँ,

सब जग \_\_\_\_\_,

जी होता, \_\_\_\_\_।

## भाषा की बात

Language and Vocabulary Skills

1. नीचे दिए शब्दों में (—) या (—) लगाइए, फिर लिखिए।

जगल - जंगल

देखू - देखू

जाऊ - जाऊ

स्वतत्र - स्वतत्र

बधन - बंधन

विचरू - विचरू

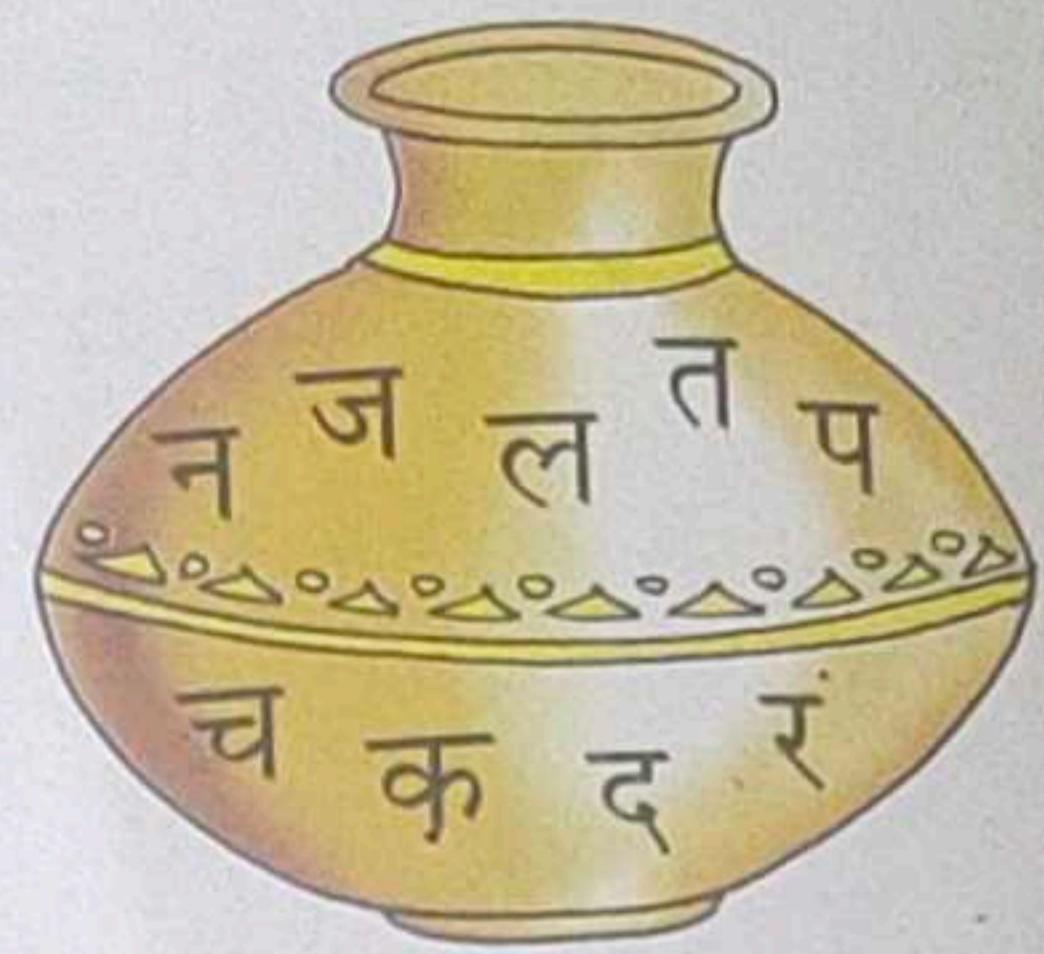
2. इन शब्दों से बनने वाले नए-नए शब्द बनाइए।

दमकल - दल कमल कम कद कल

ताजमहल - हल महल ताज जल मल

आसमान - मान आस नाम आन नामान

3. कलश में लिखे वर्णों में आ या ई की मात्रा (T-E) लगाकर शब्द बनाइए।
- |      |      |
|------|------|
| ताजा | चीर  |
| कर   | कील  |
| पार  | पीला |
| जाल  | तीर  |



4. समान अर्थवाले शब्दों को मिलाइए।

नभ	पेड़
डाली	आकाश
तरु	ठहनी

पर्वत	संसार
जग	आजाद
स्वतंत्र	पहाड़

5. चित्र देखिए और वचन लिखिए।



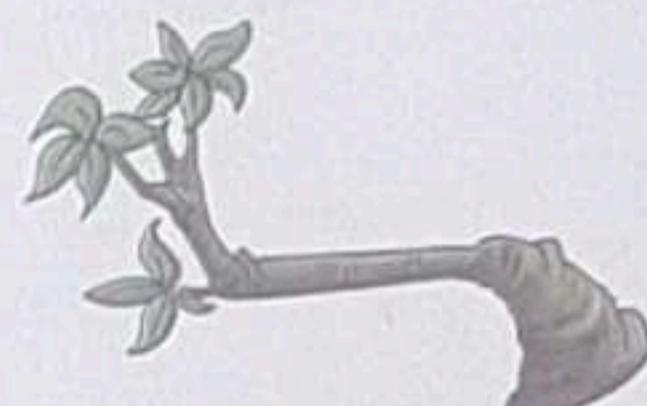
चिड़ियाँ



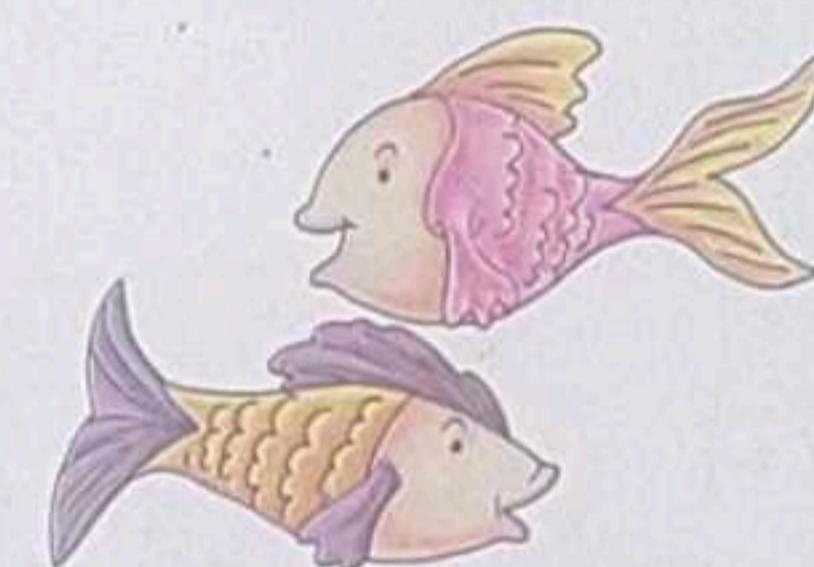
बालक



तौता



साल



महालया



पुट

6. चित्र देखिए और सही शब्द पर (✓) लगाइए।

H.W.

25/10/21



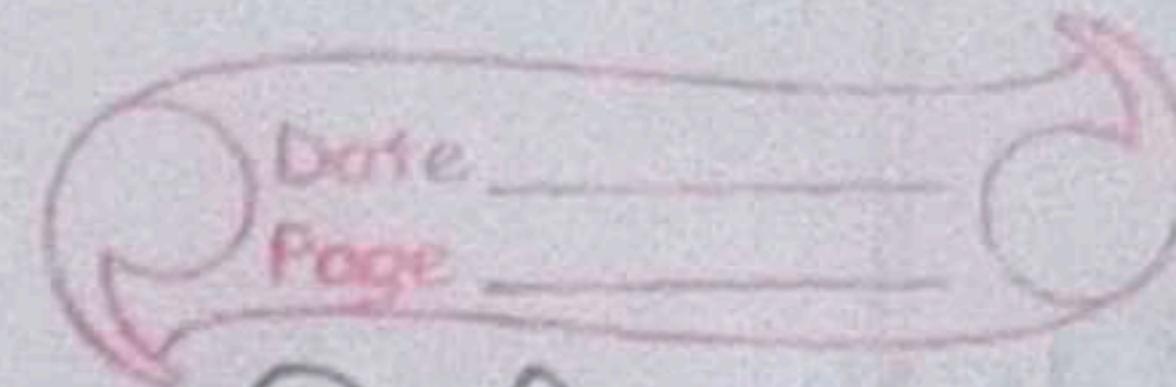
चिड़िया

चिढ़िया

उड़ना

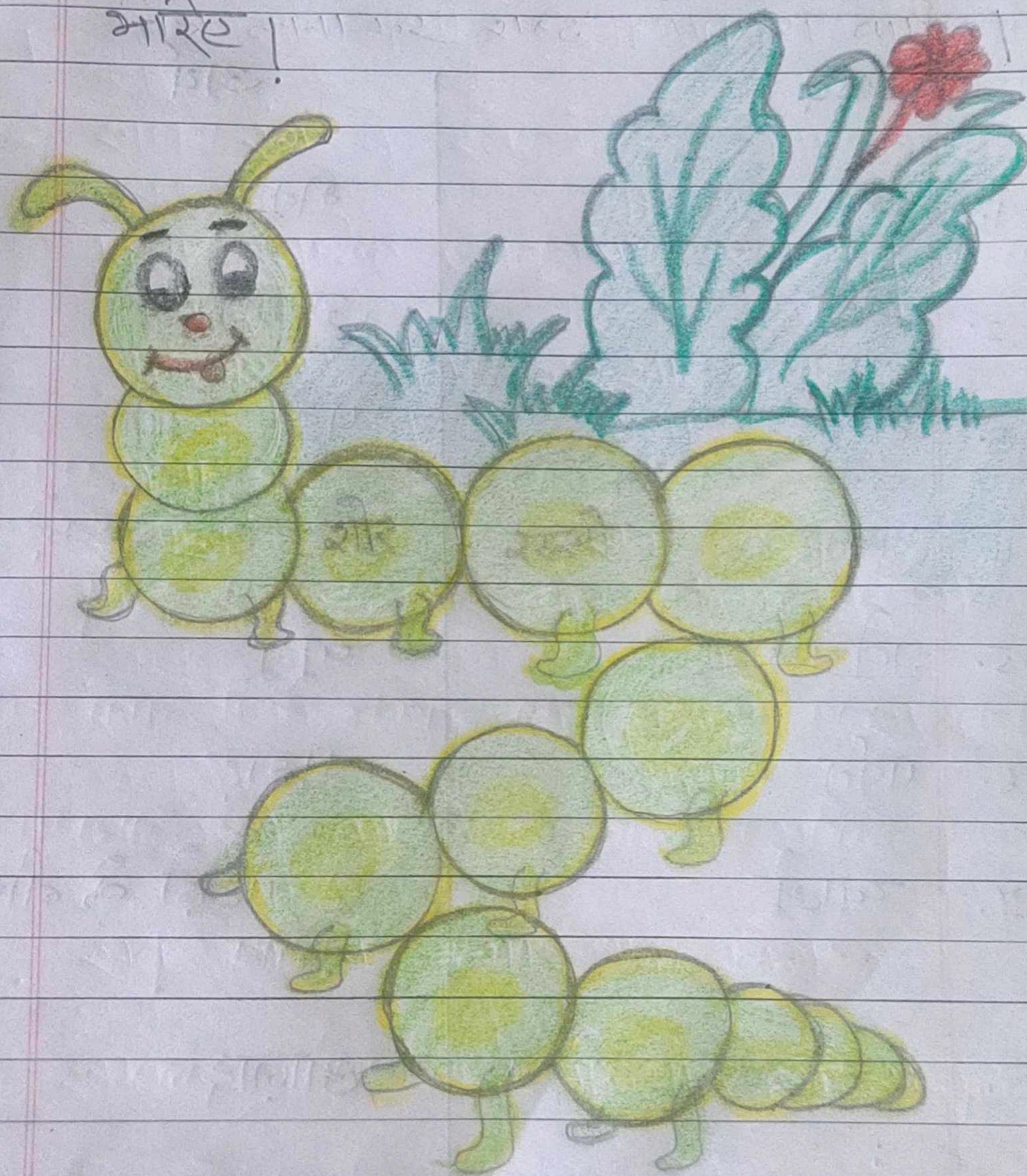
उड़ना

ਪ੍ਰਤੀ ਸਿਰਫ਼ (80)



25/10/21

ਧੈਰ ਲਾਕਰ ਰਾਵ ਦੇ ਅੜ੍ਹੇ ਅਹਾਰ  
ਖੁਸ਼ੀ ਨਾਂ ਰਾਵ ਲਾਗੂ ਆਂਡਾ  
ਮਾਰੋ।



Teacher's Sign

25.10.21

पाठ - 11

जी होता चिह्निया लग जाते

Date  
Page

शब्द

अर्थ

1. जी

मान

2. नभ

आकाश

3. एँ

पेह

4. कुत्रक्कर

होट - होट हूक्के

5. पृथ्वे

चूम्हे

6. पर्वत

पहाड़

7. स्पाटी

दो पहाड़ों के बीच की  
झुम्मीन

8. र-वर्तन

आजाद

9. विघ्न

रुक्षावत् , वाद्या  
संसार

10. अंग

25.10.21

Date \_\_\_\_\_  
Page \_\_\_\_\_

ठाठन २१८८ -

1. चिकित्सा
2. इतिहासः
3. उरियाली
4. विचरणः
5. शैलः
6. द्रविष्टी

25.10.21

Date  
Page

## पुश्टि उल्लर -

पुका, कवि चेहड़िया कैसे बलती है,

उल्लर चेहड़िया खुदकु - खुदकु कर बलती है

पुका, कावि चेहड़िया बनकर बहारी की भूमि करता  
बाहते हैं,

उल्लर कावि चेहड़िया बनकर बिनाली की, पर्वत की  
धोती की रसें करता बाहते हैं

पुका, कावि चेहड़िया का जीवन जीवों पाना बाहते हैं

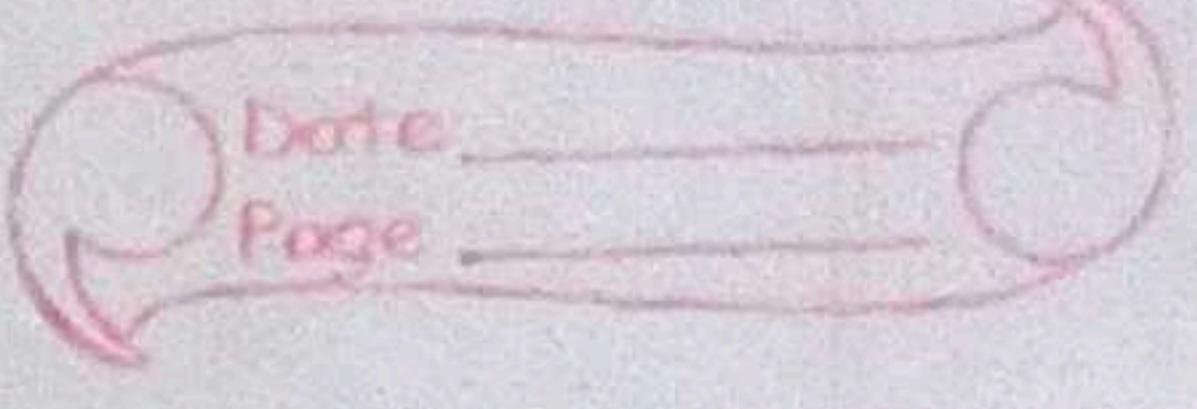
उल्लर कावि चेहड़िया या जीवन रेतुले आसमान में

35. १५ लिए पाना बाहते हैं

पुका, १५ अक्टूबर २०१९ कावि चेहड़िया है,

उल्लर १५ कावि कु लवि + मोहन लाला.

25.10.21



“विवेदी” जी है।

“जी हाल के लिया जा गए”

